

चूँ-चूँ पुं. (अनु.) 1. चिड़ियों के बोलने का शब्द 2. किसी प्रकार का चूँ-चूँ शब्द 3. कोलाहल, निरर्थक शब्द, बेमतलब की बात मुहा. चूँ चूँ का मुरब्बा-बेमेल चीजों का योग।

चूँच स्त्री. (तद्.) चोंच।

चूँटना अ.क्रि. (देश.) चुटकी से पकड़कर तोड़ना।

चूँदरी स्त्री. (देश.) दे. चुनरी।

चूक स्त्री. (तत्.) 1. भूल, गलती, खता, अपराध 2. दरार, दर्ज 3. छल, कपट, फरेब, धोखा। पुं. 1. नींबू का सुखाया हुआ रस जो बहुत खट्टा होता है 2. एक प्रकार का खट्टा साग वि. (तत्.) बहुत अधिक खट्टा।

चूकना अ.क्रि. (तद्.) 1. भूल करना, गलती करना 2. लक्ष्य भ्रष्ट होना 3. सुअवसर खो देना 4. समाप्त होना, चुकना 5. कोई बात करने, कहने से बाज आना।

चूका पुं. (तद्.) एक प्रकार का खट्टा साग, वैद्यक में इसे हल्का, रुचिकारक और दीपक माना जाता है।

चूखना स.क्रि. (देश.) दे. चूसना।

चूची स्त्री. 1. (तद्.) स्तन का अग्र भाग, कुच के ऊपर की घुंडी 2. स्त्री की छाती, स्तन, कुच।

चूजा पुं. (फा.) मुरगी का बच्चा वि. जिसकी अवस्था अधिक न हो, कमसिन।

चूड़क पुं. (तत्.) 1. चोटी, शिखा 2. मस्तक पर लगी कलगी 3. चंद्रचूड़ नामक दैत्य 4. खंभे, मकान या पहाड़ आदि का ऊपरी भाग, कंकण 5. छोटा कुआँ।

चूड़ांत वि. (तत्.) चरम सीमा, पराकृष्ठा।

चूड़ा स्त्री. (तत्.) 1. चोटी, शिखा, चुरकी 2. मोर के सिर पर की चोटी 3. पहाड़ की चोटी, मस्तक 4. कलाई पर पहनने का गहना, कड़ा, कंकण 5. कुआँ 6. चूड़ाकरण संस्कार 7. घुँघची पुं. (तत्.) दे. चुहड़ा, चिहड़ा पुं. 1. कंकण, कड़ा, वलय 2.

हाथों में पहनने के लिए छोटी-बड़ी बहुत-सी चूड़ियों का समूह जो कहीं-कहीं नव वधू और प्रायः विवाहिता स्त्रियाँ पहनती हैं विशेष. प्रायः चूड़ा हाथी दाँत के बनते हैं, उनमें सब से छोटी चूड़ी पहुँचे के पास रहती है।

चूड़ाकरण पुं. (तत्.) किसी बच्चे का पहले पहल सिर मुड़वाकर चोटी रखवाना, मुंडन विशेष. हिंदुओं के 16 संस्कारों में से एक, यह बच्चे की उत्पत्ति से तीसरे या पाँचवें वर्ष होता है।

चूड़ा मणि पुं. (तत्.) 1. शीश में पहनने का शीश फूल नामक एक गहना, बीज 2. सर्वोत्कृष्ट व्यक्ति, सबसे श्रेष्ठ, सरदार, मुखिया, अग्रगण्य 3. घुँघची, गुंजा।

चूड़ाम्ल पुं. (तत्.) इमली।

चूड़ार वि. (तत्.) 1. कलगीदार, चूड़ा युक्त 2. जिसके मस्तक पर चूड़ा हो (मनुष्य) 3. जिसके मस्तक पर कलगी हो (पक्षी)।

चूड़ाल पुं. (तत्.) सिर स्त्री. 1. सफेद घुँघची 2. नागर मोथा 3. निर्विषी घास।

चूड़िया पुं. (देश.) एक प्रकार का धारीदार कपड़ा।

चूड़ी स्त्री. (देश.) 1. काँच, लाख, सोने, चाँदी, हाथी दाँत आदि का बना वृत्ताकार आभूषण जिसे स्त्रियाँ कलाई पर पहनती हैं विशेष. भारतीय स्त्रियाँ चूड़ी को सौभाग्य चिह्न समझती हैं मुहा. चूड़ियाँ तोड़ना- वैधव्य का चिह्न धारण करना; चूड़ियाँ पहनना- औरत बनना (व्यंग्य में) प्रयो. यदि किसी की रक्षा नहीं कर सकते तो चूड़ियाँ पहन लो; चूड़ियाँ पहनाना- विधवा स्त्री का विवाह कराना; चूड़ियाँ बढ़ाना- चूड़ियों को हाथों से अलग करना; विशेष-चूड़ियों के साथ 'उतारना' शब्द का प्रयोग स्त्रियों में अनुचित और अशुभ समझा जाता है 2. वृत्ताकार पदार्थ 3. ग्रामोफोन बाजे का रेकार्ड जिसमें गाना भरा रहता है, अथवा भरा जाता है 4. चूड़ी की आकृति का गोदना जो स्त्रियाँ हाथों पर गोहाती हैं 5. रेशम साफ करने वालों का एक औजार।